भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3169

जिसका उत्तर 06.08.2026 को दिया जाना है

एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाएं और मौतें

3169. श्री हनुमान बेनीवाल:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को भारतमाला परियोजना के अंतर्गत विकसित विभिन्न एक्सप्रेसवे विशेष रूप से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटनाओं, वाहनों में आग लगने और मृत्यु दर में कथित वृद्धि की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान सड़क दुर्घटनाओं, मौतों और घायल होने की सूचना का एक्सप्रेसवे-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सड़क दुर्घटनाओं अथवा वाहनों में आग लगने की स्थिति में ऐसे एक्सप्रेसवे पर दमकल गाड़ियों, एंबुलेंसों, क्रेनों और अन्य आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवाओं की तैनाती में विलंब होने की सूचना मिली है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या ऐसे एक्सप्रेस-वे के पर प्रस्तावित अभिघात केन्द्रों की स्थापना कर ली गई है और उन्हें चालू कर दिया गया है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और किन-किन स्थानों पर ऐसी सुविधाएं स्थापित की जानी हैं अथवा प्रचालित की जानी हैं और इसके लिए कौन-कौन सी एजेंसियां उत्तरदायी हैं; और

(ङ) उक्त एक्सप्रेसवे पर आपातकालीन कार्रवाई अवसंरचना को सुदृढ़ करने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्य योजना तैयार की गई है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर "भारत में सड़क दुर्घटनाएं" पर रिपोर्ट प्रकाशित करती है। सरकार के पास उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर, पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान देश में एक्सप्रेसवे सहित राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं की कुल संख्या और मौतों का विवरण इस प्रकार है:

वर्ष	दुर्घटनाएं	मौत	घायल
2023	150177	63112	143031
2024	150958	64772	145868
2025*	143595	62160	160280
2026* (31.07.2026 तक)	79746	33853	92307

*05.08.2026 तक ईडीएआर पोर्टल से लिए गए आंकड़ों के अनुसार।

दिनांक 31.07.2026 तक ई-डीएआर पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटनाओं, मौतों और चोटों का विवरण इस प्रकार है:

एक्सप्रेसवे	वर्ष	दुर्घटनाएं	मौत	चोट
दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे	2023	71	50	79
	2024	92	73	107
	2025	125	124	167
	2026	165	133	223
अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे	2023	41	30	50
	2024	53	55	42
	2025	97	99	90
	2026	57	67	82

(ग) और (घ) अग्निशमन सेवाएं, पुलिस सेवाएं और स्वास्थ्य सेवाएं संबंधित राज्य सरकारों के एकमात्र अधिकार क्षेत्र में आती हैं। हालाँकि, राज्यों के प्रयासों को पूरा करने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) कुछ परियोजना राजमार्गों पर बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) एम्बुलेंस और एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस तैनात कर रहा है ताकि दुर्घटना पीड़ितों को प्राथमिक चिकित्सा/बुनियादी स्थिरीकरण प्रदान किया जा सके और निकटतम स्वास्थ्य देखभाल सुविधा तक पहुँचाया जा सके। आपातकाल के समय जल्द से जल्द आवश्यक सहायता के लिए क्रेन और गश्ती वाहन भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

केन्द्रीय सरकार ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-2012) और 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-2017) के दौरान देश भर के सरकारी अस्पतालों/मेडिकल कॉलेजों में 196 ट्रॉमा केयर फैसिलिटीज (टीसीएफ) को मंजूरी दी थी।

(ङ) दिल्ली-वडोदरा और अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे के पूर्ण खंडों पर स्थापित एटीएम (एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। किसी भी दुर्घटना की स्थिति में, रूट पेट्रोल, क्रेन और एम्बुलेंस को दुर्घटना पीड़ितों की तत्काल सहायता के लिए सतर्क किया जाता है।

एनएचएआई ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर 25 एम्बुलेंस, 27 क्रेन, 27 रूट पेट्रोल वाहन, 901 पीटीजेड कैमरे, 810 एएनपीआर कैमरे, 160 रडार, 150 वाहन सक्रिय गति डिस्प्ले, 262 वीडियो घटना पहचान प्रणाली और 82 परिवर्तनीय संदेश संकेत तैनात किए हैं। इसी प्रकार एनएचएआई ने अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे पर 32 एम्बुलेंस, 32 क्रेन, 32 रूट पेट्रोल वाहन, 752 पीटीजेड कैमरे, 610 एएनपीआर कैमरे, 155 रडार, 149 वाहन सक्रिय गति डिस्प्ले, 238 वीडियो घटना पहचान प्रणाली और 102 परिवर्तनीय संदेश संकेत तैनात किए हैं।

*****